स्नातकोत्तर कला उपाधि (संस्कृत)
सत्रांत परीक्षा
दिसम्बर, 2022

एम.एस.के.-007 : साहित्य शास्त्र : काव्यप्रकाश, ध्वन्यालोक और दशरूपक

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र **दो** खण्डों में विभाजित हैं । **सभी** खण्ड **अनिवार्य** हैं । खण्डों में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*

खण्ड क

निर्देश : *निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए ।* *3×20=60*

1. ध्वन्यालोक प्रथम उद्योत में प्रतिपादित ध्वनि सम्बन्धी मतों का विस्तृत विवेचन प्रस्तुत कीजिए ।

2. काव्यप्रकाश में प्रतिपादित अभिहितान्वयवाद का विस्तार से वर्णन प्रस्तुत कीजिए ।

3. मम्मट के मत से काव्यगुणों का निरूपण कीजिए ।

4. किन्हीं तीन शब्दालंकारों का लक्षणोदाहरण सहित वर्णन कीजिए ।

5. दशरूपक के अनुसार रूपक के भेदों का वर्णन कीजिए ।

6. आनन्दवर्द्धन और कुन्तक का परिचय लिखिए ।

खण्ड ख

निर्देश : *निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।* *4×10=40*

7. शब्दार्थस्वरूप क्या है ? काव्यप्रकाश के आधार पर शब्दार्थस्वरूप का वर्णन कीजिए ।

8. निम्नलिखित कारिका की व्याख्या कीजिए :

सरस्वती स्वादुतदर्थवस्तु निःस्यन्दमाना महतां कवीनाम् ।
अलोक सामान्यमभिव्यनक्ति परिस्फुरन्तं प्रतिभाविशेषम् ।।

9. नाटकों में प्रयुक्त सन्धियों का वर्णन कीजिए ।

10. विभावना तथा विशेषोक्ति अलंकारों का लक्षण एवं उदाहरण सहित वर्णन कीजिए ।

11. आचार्य विश्वनाथ का परिचय लिखते हुए उनके काव्यशास्त्रीय ग्रन्थ साहित्य दर्पण का प्रतिपाद्य लिखिए ।

12. ध्वनि सम्प्रदाय के आचार्यों का परिचय लिखकर साहित्यशास्त्र में उनके योगदान का वर्णन कीजिए ।

13. धीरोदात्त एवं धीर ललित नायक का लक्षण और उदाहरण सहित वर्णन कीजिए ।

14. काव्यप्रकाश में प्रतिपादित काव्य के हेतु का संक्षेप में वर्णन कीजिए ।